विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 26-04-2021

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

वंदना

असतो मा सद्गमय ।

तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

मृत्योर्मा अमृतं गमय।।

अर्थात : हे ईश्वर (हमको) असत्य से सत्य की ओर ले चलो। अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

उक्त प्रार्थना करते रहने से व्यक्ति के जीवन से अंधकार मिट जाता है। अर्थात नकारात्मक विचार हटकर सकारात्मक विचारों का जन्म होता है।

नमामि ईश्वरम् प्रात: नमामि जनकम् तथा ।

नमामि जननीम् पूज्यां नमामि शिक्षकान् तथा ।

अर्थात

अहम् प्रात: ईश्वरं नमामि।जनकं नमामि।पूज्यां जननीं नमामि।अहम् मम शिक्षकान् नमामि।